शोध–प्रारूप

नागपुरी साहित्यकार कृष्ण प्रसाद साहू तथा उनका रचना संसार

विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग,राँची विश्वविद्यालय,राँची से पीएच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रारूप की रूपरेखा

संकाय– जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा

वर्ष–2024

शोध निर्देशक

डॉ.पार्वती मुन्डू
सहायक प्राध्यापक
जगन्नाथ नगर महाविद्यालय,धुर्वा
राँची,झारखण्ड-834004।

शोधकर्त्ता

अभिजीत कुमार
एम.ए नागपुरी
यू.जी.सी नेट/एन.एफ.ओ.बी.सी.
विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग
राँची विश्वविद्यालय,राँची।

प्रस्तावना

शोध किसी भी देश काल में निवास कर रहे प्रत्येक व्यक्ति अथवा मानव जगत के ज्ञान में अभिवृत्ति और प्रत्येक समाज व राष्ट्र के विकास हेतु आवश्यक है। किसी भी क्षेत्र विशेष के प्रगति एवं विकास हेतु शोध आवश्यक हो जाता है क्योंकि इसके बिना मानव जगत,समाज व राष्ट्र की प्रगति संभव नहीं हैं। जिन मानव जगत,समाज व राष्ट्र ने शोध के महत्व को समझा है वह निरंतर आगे बढ़ने में तत्पर है।

शोध एक ऐसी कुंजी के समान है जिससे मानव का बौद्धिक विकास ही नहीं अपितु दैनिक जीवन में आने वाले समास्याओं का हल प्राप्त करने में,अपने ज्ञान को निरंतर बढाने में, नए-नए अवधारणा विकसित करने में तथा शोध से उसके नए आयाम एवं प्रगति में भी सहायता मिलती है।

झारखण्ड की प्रकृति सौंदर्य जितना मनमोहक है उतना ही झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली क्षेत्रीय भाषा भी मनमोहक है। नागपुरी भाषा भी इन क्षेत्रीय भाषाओं में से एक है नागपुरी भाषा के उत्पत्ति का कोई लिखित प्रमाण तो नही है किंतु विद्वानों के अनुमान के अनुसार नागपुरी भाषा की उत्पत्ति 5वीं से 6ठीं शताब्दी के आस पास माना जाता है जिस प्रकार अन्य देशी अथवा क्षेत्रीय भाषाओं का जन्म हुआ होगा।

नागपुरी भाषा के प्राचीन इतिहास को देखा जाए तो नागवंशी राज काल में नागपुरी राजभाषा के रूप में सुशोभित रह चुकी है। वर्त्तमान समय में नागपुरी भाषा पठारी क्षेत्र में मातृभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है।

जॉर्ज ग्रियर्सन ने नागपुरी को विकृत भोजपुरी कहा था। किन्तु अब यह स्थापित हो चुका है कि नागपुरी, झारखंड के अतिरिक्त उड़ीसा,छत्तीसगढ़,आसाम तथा अंडमान निकोबार के कुछ क्षेत्रों में प्रचलित एक मान्य भाषा है। इसका इतिहास काफी पुराना प्रतीत होता है। झारखण्ड की अन्य आदिवासी भाषाओं के साथ इसका सह अस्तित्व चिर काल से चला आ रहा है।

नागपुरी की काव्य परंपरा का प्राचीन रूप लोक गीतों के रूप में उपलब्ध है। अज्ञात काल से इन गीतों की समृद्ध परंपरा रही है। किन्तु शिष्ट गीतों के बारे में यही बात नहीं कही जा सकती। अब तक की जानकारी एवं शोध के अनुसार सत्रहवीं सदी (शासन काल 1626–1668) के नागवंशी राजा 'रघुनाथ नृपति' को नागपुरी काव्य परंपरा के प्रथम ज्ञात

शिष्ट कवि का सम्मान प्राप्त है। किन्तु उनकी रचनाओं में भाषा के स्वरूप तथा काव्य कौशल को देखते हुए सहज ही पता चलता है कि उनके काल तक नागपुरी गीत परंपरा ने अपनी उँचाई छू ली थी। ऐसे में यह निश्चय होता है कि उनके पूर्व भी इस काव्य परंपरा का समृद्ध तथा विकासमान स्वरूप रहा होगा,जो उपलब्ध नहीं है।

राजा रधुनाथ के बाद कवि हनुमान सिंह,बरजु राम पाठक,दलेल सिंह,पदुमन सिंह, श्यामसुन्दर,उदयनाथ,दृपनाथ,हरिनाथ,जयगोविन्द,दृग्पाल राम देवघरिया महेश राम, गणेश राम, रतन साय, भवप्रीतानन्द, नरहरिदास, अनूप लाल, कुंजलाल,ठाकुर प्रसाद, सोबरन साय, रूंगटु मलार, भीखु लोहार,बंधु लोहार,कंचन,घासीराम,घासी महंत,प्रयाग दास, खड़गधर सिंह,बालमुकुंद नाथ,बान सिंह,लुंदरू दास,हरिहरनाथ,मदन सिंह, चमरू और बिसराम जैसे अनेकानेक सक्षम कवियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा से नागपुरी सरस्वती का श्रृंगार किया। यह परंपरा आज भी अक्षुण्ण है।

आधुनिक काल में कवि शारदा प्रसाद शर्मा रश्मि,पौराणिक गौरीनन्दन शर्मा,सहनी उपेन्द्रपाल नहन,डॉ.बी.पी. केसरी, फादर पीटर शांति नवरंगी,धनेन्द्र प्रवाही,आचार्य मृत्युंजय नाथ शर्मा जयनाथ,लाल रणविजय नाथ शाहदेव, जस्टिन एक्का और कृष्ण कलाधर जैसे अनेकानेक कवि पूरी रचनाधर्मिता के साथ नागपुरी काव्य रचना में संलग्न रहे हैं।

नागपुरी विभाग,राँची विश्वविद्यालय,राँची के तत्वाधान में नागपुरी के प्रख्यात साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर सार्थक शोध प्रस्तुत करने की एक दीर्घकालीन परंपरा रही है। इस क्रम में कवि घासीराम, फादर पीटर शांति नवरंगी,कविरत्न शारदा प्रसाद शर्मा,सहनी उपेन्द्रपाल नहन,डॉ0 बी.पी.केशरी,श्री नईमुद्दीन मिरदाहा जैसे अनेक वरिष्ठ,वरेण्य और मूर्द्धण्य साहित्यकारों के साहित्यकार व्यक्तित्व और कृतित्व पर शोध कार्य किये जा चुके हैं। इसी कड़ी में यह शोध प्रस्ताव डॉ. कृष्ण प्रसाद साहू जो साहित्य में 'कृष्ण कलाधर' के नाम से जाने जाते हैं के व्यक्तित्व और कृतित्व को समर्पित है।

शोध की परिकल्पना

विभिन्न विषयों एवं भाषाओं के समान ही झारखण्ड के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में भी शोध कार्य किए जा रहे हैं। वर्त्तमान समय में यह देखा जा रहा है,कि शोधकर्त्ताओं की रूचि नागपुरी भाषा साहित्य में बढ़ी है एवं शोधकर्त्ताओं के द्वारा नागपुरी भाषा साहित्य के विभिन्न विषयों में शोध किए जा रहे हैं। पूर्व के पाठ्यक्रम में पढ़ चुकने के कारण मेरी रूचि व्यक्तित्व एंव कृतित्व में थी। मैनें अपनी मन की बात शोध निर्देशक के समक्ष रखी जिन्होंने मुझे मार्गदर्शन किया तथा बहुत सारे शोध विषयों की जानकारी भी दी जिसपर नागपुरी भाषा साहित्य में अभी तक शोध नहीं हुआ है। तत्पश्चात् मैनें **नागपुरी साहित्यकार कृष्ण प्रसाद साहू तथा उनका रचना संसार** विषय पर ही शोध करने का निर्णय लिया ताकि नागपुरी भाषा साहित्य में अभिरूचि के साथ-साथ भाषा ज्ञान की क्षमता एवं योग्यता का विकास कर सकूँ।

शोध विषय की प्रेरणा

मेरा जन्म झारखण्ड के दक्षिणी छोटानागपुर के राँची जिला में हुआ है एवं मेरा रहन–सहन,पठन–पाठन ग्रामीण क्षेत्रों में ही हुआ है। यही कारण है कि मेरा सर्म्पूण जीवन ग्रामीण स्थिति और परिस्थिति से जुड़ा है। मेरी मातृभाषा नागपुरी है और मैंने अपनी स्नातकोत्तर की पढ़ाई करमचंद भगत कॉलेज बेड़ो से सम्पन्न किया है। स्नातकोत्तर में पढ़ाई के दौरान मेरे शिक्षक विकास सिन्हा के सम्पर्क में मुझे डॉ0 कृष्ण प्रसाद साहू से मिलने का अवसर उनके ही निवास स्थल सिसई में मिला। डॉ0 कृष्ण प्रसाद साहू जी के सरल स्वभाव एवं उनके रचित रचनाओं ने मुझे प्रेरित किया। डॉ0 कृष्ण प्रसाद साहू के कुछ रचनाओं को मुझे पढ़ने का अवसर मिला जिससे मुझे यह महसुस हुआ कि शोध करने का अवसर मिले तो मैं भी नागपुरी भाषा में कुछ योगदान कर सकूँगा।

मैं डॉ0 कृष्ण प्रसाद साहू के रचनाओं से इतना प्रभावित हुआ कि मैंने शोध विषय की चर्चा जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग नागपुरी के विभागाध्यक्ष डॉ0 सबिता केशरी, डॉ0 उमेश

नंद तिवारी, शिक्षक डॉ. वीरेंद्र कुमार महतो, डॉ. अंजु कुमारी साहू, डॉ. संतोष कुमार भगत, शिक्षक पुनम कुमारी शोध निर्देशक डॉ. पार्वती मुन्डू एवं अन्य प्राध्यापकों के बीच किया,सभी ने मुझे प्रेरित किया। मैं शोध कार्य से नागपुरी भाषा में ईमानदारी से अपना बेहतर योगदान देने का प्रयास करूंगा।

शोध कार्य का उद्देश्य एवं प्रासंगिकता

इस शोध कार्य का उद्देश्य डॉ0 कृष्ण प्रसाद साहू की रचनाओं को प्रकाश में लाना,उनका मूल्यांकन करना और नागपुरी साहित्य जगत में उनके स्थान की पहचान करना है। विगत लगभग पच्चीस वर्षों से डॉ0 कृष्ण प्रसाद साहू नागपुरी साहित्य की अनेक विधाओं में अपने रचना कौशल का परिचय देते आ रहे हैं। उन्होंने गद्य तथा पद्य दोनों विधाओं में प्रचुर रचनाएँ की हैं। उनके साहित्यकार रूप का पहला परिचय उनके ललित निबंध संकलन **''फुलसुंदरी''** से मिला जो सन् 2000 ई. में प्रकाशित हुआ। इस संकलन की बहुत प्रशंसा हुई। इसमें कलाधर रचित चौदह ललित निबंधों का संकलन है। डॉ. केशरी ने इसकी प्रशंसा करते हुए कहा–**''कलाधर के बाल रूप शब्द में सिद्धि प्राप्त है।''**

कृष्ण कलाधर की प्रकाशित व अप्रकाशित रचनाएँ

(क) प्रकाशित रचनाएँ

प्रकाशित गद्य रचनाएँ :–

कहानियाँ तथा लघु कथाएँ :–

1. **महराजी–लघु कथा**। स्मारिका, लघु कथा सम्मेलन,राँची,सन् 1988 ई.।
2. **कलजुग–कहानी**। अखड़ा पत्रिका,राँची के किसी अंक में।
3. **बदला–कहानी**। संगम पत्रिका,राँची के किसी अंक में।

निबंध :–

1. **फुलसुंदरी**–चौदह ललित निबंधों का संकलन। प्रकाशक– श्रीमती प्रमिला साहू,सिसई। प्रथम संस्करण, प्रकाशन.वर्ष.–अक्टूबर,सन् 2000 ई.।

2. **परकाला**– चौदह ललित निबंधों का संकलन। प्रकाशक– श्रीमती प्रमिला साहू, सिसई। प्र.व.–सन् 2000 ई.।
3. **नागपुरी कर मर्सिया उर्फ तजेया गीत–निबंध।** संगम पत्रिका,राँची के किसी अंक में प्रकाशित।
4. **साँवरियो–ललित निबंध।** संगम पत्रिका,राँची के किसी अंक में प्रकाशित।
5. **मोर दादा साहेब–संस्मरण।** संगम पत्रिका,राँची के किसी अंक में प्रकाशित।
6. **नागपुरी काव्य में दृष्टिकूट–शोध आलेख।** अनुसंधान–एक में पृष्ठ संख्या 45 से 65 तक। संकलक–विसेश्वर प्रसाद केशरी। प्रकाशक–नागपुरी संस्थान पिठोरिया, राँची प्रथम संस्करण,अगस्त 2010 ई.
7. **नागपुरी के चार दृष्टिकूट गीत–शोध आलेख।** अनुसंधान–एक में पृष्ठ संख्या 66 से 77 तक। संकलक–विसेश्वर प्रसाद केशरी।प्रकाशक–नागपुरी संस्थान पिठोरिया,राँची। प्रथम संस्करण, अगस्त 2010 ई.

संकलन,संपादन एवं स्थापना :–

1. **नागपुरी कहावत एवं मुहावरा कोश** –प्रथम संस्करण। संकलन तथा संपादन–प्रो. हरीश कुमार चौरसिया के साथ। प्रकाशक–श्रीमती प्रमिला साहू,सिसई। प्र.व.– फरवरी, सन् 2001 ई.।
2. **नागपुरी कहावत एवं मुहावरा कोश** – द्वितीय संशोधित,परिवर्द्धित संस्करण। संकलन तथा संपादन–डॉ.हरीश कुमार चौरसिया के साथ। प्रकाशक–झारखण्ड झरोखा,राँची। प्र.व.–सन् 2021 ई.
3. **लोपाई छन्द**–नागपुरी के परंपरागत छन्दों की खोज में एक नवीन शोधपरक दृष्टिकोण की प्रस्तुति। प्रकाशक –नागपुरी संस्थान,पिठोरिया। प्रकाशन वर्ष – जनवरी 2011 ई.।

प्रकाशित पद्य रचनाएँ :–

1. **मदखाना**– डॉ.हरिवंश राय बच्चन की काव्य कृति **''मधुशाला''** का नागपुरी काव्यानुवाद। प्रथम संस्करण। प्रकाशक –श्रीमती प्रमिला साहू,सिसई। प्रकाशन वर्ष– अगस्त सन् 2000 ई.।

2. **दूत जलधर**–कवि कालिदास कृत ''मेघदूतम्''का नागपुरी पद्यानुवाद। प्रथम संस्करण। प्रकाशक–कृष्ण प्रसाद साहू,सिसई। प्रकाशन वर्ष–सन् अगस्त 2002 ई.।

3. **अबिनासी घासी–महाकाव्य।** प्रकाशक –नागपुरी संस्थान,पिठोरिया। प्रकाशन वर्ष– जनवरी 2011 ई.।

4. **ईसु चरित–खण्ड काव्य।** प्रकाशक–नागपुरी संस्थान,पिठौरिया। प्रकाशन वर्ष– जनवरी 2017 ई.।

5. **नागपुरी बाल गीत**–एक सौ मौलिक नागपुरी बालगीतों का संकलन। प्रकाशक –नागपुरी संस्थान,पिठौरिया। प्रकाशन वर्ष –सन् 2017 ई.।

6. **बाजे बाँसी मधु सुर**–कलाधर रचित तीन सौ पच्चीस नागपुरी गीतों का संकलन। प्रकाशक –नागपुरी संस्थान,पिठौरिया। प्रकाशन वर्ष –सन् 2017 ई.।

(ख) अप्रकाशित रचनाएँ :–

अप्रकाशित गद्य रचनाएँ

कहानियाँ तथा लघु कथाएँ :–

1. अलंकार सिच्छा–कहानी।
2.. भूखे भजन–कहानी।
3. रीत–रेवाज– कहानी।
4. टोटमा– कहानी।

अप्रकाशित पद्य रचनाएँ :–

1. **मद दोना**–नागपुरी काव्य।
2. **दूत जलधर**– कवि कालिदास कृत ''मेघदूतम्''का नागपुरी पद्यानुवाद। द्वितीय किन्तु नवीन अनुवाद युक्त संस्करण।
3. **गीत गोबिन्द**–जयदेव रचित काव्य गीतगोविन्दम् का नागपुरी पद्यानुवाद।
4. **बँसुरियावाला**–अंग्रेजी के कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग की काव्य रचना ''पाइड पाइपर ऑफ हेमेलिन'' का नागपुरी काव्यानुवाद।

हास्य–व्यंग्य :–

1. **मुखियापति**

2. **खेयाली पोलाव**

3. **ऑनलाइन परीच्छा**

कृष्ण कलाधर से संबद्ध विविध आलेख

- ❖ **01.''कहनाम''** लेखक–कृष्ण कलाधर
- ❖ **02.''अबिनासी घासी :रचना कथा''** लेखक– कृष्ण कलाधर
- ❖ **03.''बधाइ,बहुत बधाइ!''** लेखक– डॉ.बी.पी. केशरी
- ❖ **04.''अबिनासी घासी के पढ़ल बाद मनक उद्‌गार''** लेखक– सहनी उपेन्द्रपाल नहन
- ❖ **05.''मोर नजइर में 'अबिनासी घासी''** लेखक–डॉ0 हरीश कुमार चौरसिया
- ❖ **06.''सारस्वत चिन्तन की अविच्छिन्न धारा''** लेखक– श्री अशोक पागल
- ❖ **07.''परकाला : शर्मा उर्फ रश्मि चैनल से''** लेखक–कविरत्न शारदा प्रसाद शर्मा रश्मि
- ❖ **08.''देखली हाम परकाला में''** लेखक– डॉ0 हरीश कुमार चौरसिया
- ❖ **09.''पइरकाला परकाला''** लेखक–डॉ0 दुखहरण साहु
- ❖ **10.''बेयान''** लेखक– कृष्ण कलाधर
- ❖ **11.''फुलसुंदरी आउर कलाधर''** लेखक– डॉ0 बी.पी. केशरी
- ❖ **12.''कहेक परतहे''** लेखक– डॉ0 दुखहरण साहू
- ❖ **13.''एतइ सुंदर फुलसुंदरी''** लेखक– डॉ0 हरीश कुमार चौरसिया
- ❖ **14.''मुहाँमुहीं''** लेखक– कृष्ण कलाधर
- ❖ **15.''बस,इतना ही आज अलम''** लेखक– कृष्ण कलाधर
- ❖ **16.''ढाई आखर निवेदन''** लेखक– कृष्ण कलाधर
- ❖ **17.''गांधी–बुल्के कर डहर में कलाधर''** लेखक –पद्मश्री डॉ0 गिरिधारी राम गौंझू
- ❖ **18.''ओर कर बात''** लेखक– कृष्ण कलाधर
- ❖ **19.''सुनु तो राउर घरे छउवामन आहैं?''** लेखक– कृष्ण कलाधर
- ❖ **20.''कलाधर का रचना संसार''** लेखक– श्री धनेन्द्र प्रवाही

❖ **21.''आधुनिक कविता की मनोवैज्ञानिक परख(जनजातीय/क्षेत्रीय भाषाओं की कविता के संदर्भ में)''** लेखक – कृष्ण कलाधर

❖ **22.''कला और सौंदर्य (झारखण्डी लोकगीतों के संदर्भ में)''** लेखक– कृष्ण कलाधर

❖ **23.''कृष्ण कलाधर : व्यक्ति आउर साहित''** लेखक– डॉ0 हरीश कुमार चौरसिया

❖ **24.''झूमर :गीत संगीत तथा नृत्य''तृतीय खंड में** लेखक– डॉ0 बदरी प्रसाद का आलेख

शोध प्रविधि

प्रस्तावित शोध प्रारूप के अध्ययन हेतु निम्नलिखित शोध विधियों का आवश्यकतानुसार उपयोग किया जाएगा।

- अवलोकन विधि
- साक्षात्कार विधि
- वर्णात्मक विधि
- तुलनात्मक विधि
- आलोचनात्मक विधि
- विश्लेषणात्मक विधि

उपर्युक्त शोध विधि के अलावे आवश्यकतानुसार अन्य शोध विधि का प्रयोग किया जा सकता है।

शोध उपकरण

* कैमरा,कम्प्यूटर,लैपटॉप,मोबाइल।
* सूचनादाता।
* सम्बंधित पुस्तकें।
* टेप रिकॉर्डर।
* पुस्तकालय।
* पेनड्राईव,इंटरनेट का प्रयोग आदि।

नागपुरी साहित्यकार कृष्ण प्रसाद साहू तथा उनका रचना संसार

अध्यायीकरण

प्रस्तावना :–

- विषय प्रवेश
- शोध विधि एवं प्रविधियाँ

- **पहला अध्याय–कृष्ण कलाधर का जीवन वृत्त तथा पृष्ठभूमि**
  - क. जीवन वृत्त,पूर्वज,परिवार,शिक्षा तथा पृष्ठभूमि
  - ख. सेवाकाल,जीवन–यापन के आयाम
  - ग. सम्मान
  - घ. कुछ प्रेरक व्यक्ति–प्रेरक प्रसंग
  - ड. नागपुरी भाषा–साहित्य की ओर झुकाव तथा प्रेरणा स्रोत

- **दूसरा अध्याय–कृष्ण कलाधर का व्यक्तित्व एवं व्यक्तिगत विशेषताएँ**
  - क. कलाधर के व्यक्तित्व के शील–गुण
  - ख. अध्ययनशीलता
  - ग. बहुमुखी प्रतिभा
  - घ. विभिन्न भाषाओं का ज्ञान तथा उनमें साहित्य रचना

- **तीसरा अध्याय –कृष्ण कलाधर कहानीकार के रूप में**
  - क. कहानियाँ– प्रकाशित एवं अप्रकाशित
  - ख. लघुकथाएँ– प्रकाशित एवं अप्रकाशित
  - ग. कहानियों की कथावस्तु,शिल्प,कथ्य तथा भाषा–शैली

- **चौथा अध्याय –कृष्ण कलाधर निबंधकार के रूप में**
    - क. कृष्ण कलाधर के निबंध संग्रह–'फुलसुंदरी' तथा 'परकाला'
    - ख. कृष्ण कलाधर के अन्य ललित निबंध
    - ग. कृष्ण कलाधर के शोध निबंध–साहित्य,भाषा,लिपि,छन्द तथा पुरातत्व संबंधी
    - घ. निबंधों के कथ्य,शिल्प,भाव,भाषा शैली आदि

- **पाचवाँ अध्याय–कृष्ण कलाधर कहावतों तथा मुहावरों के संग्राहक तथा संपादक के रूप में**
    - क. नागपुरी कहावत एवं मुहावरा कोश का परिचय
    - ख. नागपुरी कहावतों का विश्लेषण–अर्थगर्भता,संप्रेषण तथा व्यंग्य

- **छठवाँ अध्याय –कृष्ण कलाधर के काव्य**
    - क. बालगीतकार कृष्ण कलाधर – नागपुरी बाल गीत
    - ख. खंड काव्य–ईसुचरित तथा मद दोना
    - ग. महाकाव्य–अबिनासी घासी
    - घ. गीत–बाजे बाँसी मधु सुर
    - ड. गीत–मर्दानी झूमर
    - च. कृष्ण कलाधर की नागपुरी कविताएँ
    - छ. भाव तथा कला दृष्टि से कृष्ण कलाधर की रचनाओं का मूल्यांकन

- **सातवाँ अध्याय –कृष्ण कलाधर अनुवादक के रूप में**
    - क. काव्यानुवाद की समस्याएँ
    - ख. मधुशाला,मेघदूतम्,गीतगोविन्दम् के अनुवाद

        (i) मदखाना

(ii) दूत जलधर

(iii) गीत गोबिन्द

- ग. पाइड पाइपर ऑफ हेमेलिन का अनुवाद–बँसुरियावाला
- घ. उर्दू बंग्ला तथा अंग्रेजी कविताओं के अनुवाद

- **मूल्यांकन**

क. कलाधर का रचना वैशिष्ट्य

ख. नागपुरी साहित्य में कलाधर का योगदान

- **उपसंहार**

नोट :- प्रस्तावित शोध प्रारूप की रूपरेखा में आवश्यकतानुसार आंशिक परिवर्तन किए जा सकते हैं।

- **परिशिष्ट :–**
  - आधार ग्रंथों की सूची
  - संदर्भ ग्रंथों की सूची
  - समाचार पत्रों की सूची
  - पत्र–पत्रिकाओं की सूची
  - संपर्क तथा साक्षात्कार सूची
  - अन्य– फोटो आदि

शोध निर्देशक | **शोधकर्त्ता**

डॉ.पार्वती मुन्डू
सहायक प्राध्यापक
जगन्नाथ नगर महाविद्यालय,धुर्वा
राँची,झारखण्ड-834004।

अभिजीत कुमार
एम.ए नागपुरी
यू.जी.सी नेट/एन.एफ.ओ.बी.सी.
विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग
राँची विश्वविद्यालय,राँची।

आधार ग्रंथों की सूची :–

क्र.सं.	रचनाकार	पुस्तक	प्रकाशक	वर्ष
01.	अली,डॉ.नाफर	कविरत्न नईमुद्दीन मिरदाहा : जीवन एवं साहित्य	शोध प्रबंध अप्रकाशित	
02.	अंसारी,डॉ.ए.अय्याज	मधुमंसूरी,हंसमुख : जीवन एवं साहित्य	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2016
03.	केशरी,डॉ.सविता	नागपुरी कवि कंचन जीवन साहित्य	नागपुरी संस्थान, राँची	2015
04.	केशरी,डॉ.समरीता	कविरत्न शारदा प्रसाद शर्मा व्यक्तित्व एवं कृतित्व	के.के पब्लिकेशन, इलाहाबाद	2013
05.	गिरिराज,डॉ.गिरिधारी राम गौंझू	पीटर शांति नवरंगी व्यक्तित्व एवं कृतित्व	पझरा प्रकाशन नागपुरी प्रचारिणी सभा,राँची	1990
06.	तिवारी,डॉ.उमेश नन्द	आधुनिक नागपुरी,साहित्य संदर्भ प्रफुल्ल कुमार राय एक मूल्यांकन	झारखण्ड झरोखा, राँची	1990
07.	दुबे,डॉ.विश्नाथ	धनीराम बक्शी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	1981
08.	मिश्रा,डॉ.अनुपमा	सहनी उपेन्द्र पाल नहन	शोध प्रबंध अप्रकाशित	
09.	लकड़ा,डॉ.मालती वगीशा	लाल रणविजय नाथ शाहदेव	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2019
10.	शर्मा,डॉ.अच्युतानंद	नागपुरी के प्राचीन कवि बरजुराम : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2011

11.	षाड़ंगी,डॉ.अशोक	आचार्य,मृत्युंजय नाथ शर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2011
12.	साहु,डॉ.सुखदेव	डॉ.भुनेश्वर अनुज : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	झारखण्ड झरोखा, राँची	2011
12.	साहु,डॉ.मनोहर	डॉ.बी.पी.केशरी दृष्टि एवं सृष्टि	झारखण्ड झरोखा, राँची	2021

संदर्भ ग्रंथों की सूची :–

01. आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा –**अलंकार मुक्तावली**– चतुर्थ सं.1989,भारती भ.पटना–4

02. डॉ.आशा गुप्त –**मैथिलीशरण गुप्त का काव्य : सांस्कृतिक अध्ययन**–1979, अन्नपूर्णा प्रकाशन,कानपुर

03. उषा रानी –**पद्मावत के काव्य रूप का शास्त्रीय अध्ययन**– 1979, हिन्दी साहित्य संसार,दिल्ली

04. श्री कृष्ण कुमार सिन्हा–**हरिऔध और उनका प्रियप्रवास**–2000, राजराजेश्वरी पुस्तकालय,गया

05. गुलाब राय–**काव्य के रूप**–1981,आत्माराम एंड सन्स,दिल्ली

06. गणपति चन्द्र गुप्त–**साहित्यिक निबन्ध**– 2003, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

07. डॉ. दयाकृष्ण जोशी–**उर्वशीःसमग्र अध्ययन**–1981, ग्रन्थायन,अलीगढ़

08. देवीप्रसाद गुप्त –**साहित्यिक निबन्ध**–1984,पंचशील प्रकाशन,जयपुर 302003

09. देवेन्द्रनाथ शर्मा –**काव्य के तत्व**– 2011,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद–1

10. प्रो.देशराज सिंह भाटी –**दिनकर और उनकी उर्वशी**–1980, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली–6

11. डॉ.धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री –**महाकवि हरिऔध का प्रिय प्रवास**–1950, तृतीय संस्करण, रामनारायण लाल, इलाहाबाद

12. डॉ.पुष्पा ठक्कर–**दिनकर काव्य में युगचेतना**–1986,अरविन्द प्र.बम्बई

13. बच्चन सिंह –**हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास**–1996,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली

14. डॉ.बी.पी.केशरी –**नागपुरी भाषा और साहित्य**–द्वि.सं.–2005, छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ,रांची–4

15. डॉ.बी.पी.केशरी –**साहित्य के तत्व और आयाम**–पुनर्मुद्रण–2007, नागपुरी संस्थान,पिठोरिया,रांची

16. डॉ.बी.पी.केशरी –**नागपुरी भाषा और साहित्य**–द्वि.सं.–2005, छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ,रांची–4

17. राजनाथ शर्मा–**साहित्यिक निबंध**– किशोर पुस्तक मन्दिर,आगरा–2

18. डॉ.रामकिशन सैनी –**आधुनिक हिन्दी काव्यों में पाश्चात्य चिन्तन**–1980, पंचशील प्रकाशन,जयपुर

19. डॉ. रामप्रसाद –**स्वातंत्र्योत्तर नागपुरी साहित्य,एक शास्त्रीय.अध्ययन**–2003, समय प्रकाशन,दिल्ली–110092

20. लालधर त्रिपाठी प्रवासी –**कवि सम्राट हरिऔध का प्रिय प्रवास**– हिन्दी प्र.,वाराणसी

21. डॉ.विश्वनाथ(संपादक) प्रसाद –**निबन्ध और निबन्ध**–1973, हिन्दी प्रचारक संस्थान,वाराणसी–291001

22. डॉ.स्नेहलता गुप्त–**कामायनी का काव्यशास्त्रीय विश्लेषण**–1988,विद्या प्र.कानपुर

23. डॉ.त्रिवेणीनाथ साहु –**नागपुरी काव्य में प्रकृति–चित्रण**–2008, किशोर विद्या निकेतन,वाराणसी

24. डॉ.श्रवण कुमार गोस्वामी –**नागपुरी और उसके वृहत त्रय**–1971,कमल,रांची

25. डॉ.श्रवण कुमार गोस्वामी –**नागपुरी शिष्ट साहित्य**–1976,बिहार रा.भा.प.पटना–4

पत्र–पत्रिकाओं की सूची :–

01. आदिवासी (सप्ताहिक),राँची
02. जय झारखंड (त्रैमासिक),डाल्टेनगंज
03. डहर
04. पझरा
05. नागपुरी कला संगम पत्रिका
06. झारखण्डी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा
07. जोहार सहिया
08. गोतिया
09. छोटानागपुर एक्सप्रेस आदि पत्रिकाओं के विविध अंकों का आवश्यकतानुसार उपयोग।

समाचार पत्रों की सूची :–

01. प्रभात खबर–कोकर,राँची
02. हिंदुस्तान–कोकर,राँची
03. दैनिक जागरण–कोकर,राँची
04. दैनिक भास्कर–रातू रोड,राँची
05. राँची एक्सप्रेस–अपर बाजार राँची